इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 733

16 अगस्त, 2012 को उत्तर के लिए

इस्पात के उत्पादन के लिए राष्ट्रीय इस्पात नीति

733. श्री कनवर दीप सिंह:
श्री एन.के. सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय इस्पात नीति ने 2019-20 तक घरेलू इस्पात उत्पादन क्षमता में 180 मिलियन टन प्रति वर्ष की वृद्धि होने का अनुमान लगाया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस्पात उत्पादन क्षमता को पूरा करने के उद्देश्य से लौह अयस्क का खनन इसके वर्तमान उत्पादन स्तरों से बढ़ाकर दोगुना करने की जरूरत होगी;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या लौह अयस्क के भंडारों के निष्कर्षण स्तरों का प्राक्कलन किया गया है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 में वर्ष 2019-20 तक इस्पात का घरेलू उत्पादन 110 मिलियन टन प्रति वर्ष होना अनुमानित किया गया है।

(ग) और (घ): वर्ष 2011-12 के दौरान देश में लौह अयस्क का कुल उत्पादन लगभग 169.66 मिलियन टन था जबकि इसकी तुलना में घरेलू लोहा एवं इस्पात उद्योग द्वारा इसकी कुल अनुमानित खपत लगभग 116.3 मिलियन टन थी। राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 के अनुसार वर्ष 2019-20 तक इस्पात का 110 मिलियन टन उत्पादन करने में सहायता प्रदान करने के लिए 190 मिलियन टन लौह अयस्क की आवश्यकता होगी।

(ड.) और (च): भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम), खान मंत्रालय के अनुसार दिनांक 1.4.2010 को देश में 28.526 बिलियन टन लौह अयस्क संसाधन उपलब्ध हैं जिसमें से 8.115 बिलियन टन आरक्षित है और 20.411 बिलियन टन शेष संसाधन के रूप में हैं।

****